

दत्तिनः Kām. Nitis. 9, 57. Pāṇkāt. 162, 18. अमन्यीच्च परानोक्तम् BHATT. 13, 46, 17, 41. रथं ममन्य सकृपं शाखिना 14, 36. मथितैराश्रमैः MBh. 1, 7669. गोपैर्मथितपादपम् (काननम्) HARIV. 3483. वाणैश्च मथितोरसः (व्यथितो die neuere Ausg.) 12346. R. 6, 17, 8. शिशिरमथितो पक्विनीम् MBh. 81. शिरौ दासस्य नमुचर्मथायन् so v. a. abreißen, ablösen RV. 5, 30, 8. 6, 20, 6. अथानयन्तं धनमस्य मथ्य MBh. 4, 1669. 6, 1840. मथित ausgerenkt: अथ्य Suçr. 1, 67, 8. Nach H. an. 3, 285 ist मथित = व्यालोडित und निवृष्ट, nach MED. t. 141. fg. = मालोडित und घृष्ट.

— caus. मन्थयति (Milch) ausrühren lassen LĀTJ. 8, 3, 3.

— अथि, partic. अधिमन्थित (caus. - Form) aufgerüttelt d. h. in einen Zustand der Reizung versetzt (zur Erkl. von अधिमन्थ्यः) पितेनाद्यधिमन्थितम् Suçr. 2, 313, 18. 314, 1. 5. — Vgl. अधिमन्थ्य fg.

— अग्निं umdrehen (bei der Feuerreibung): अग्नेत्यभ्यमन्थत्स मुखाच्च येनैर्हस्ताभ्यां चाग्निमसृजत ÇAT. Br. 14, 4, 2, 11. LĀTJ. 3, 3, 5. KAUC. 69. KĀND. Up. 2, 12, 1. अग्नीं ब्राह्मणीं विद्धि गुरुस्वोत्तरारणिः । तपःश्रुते ऽभिर्मन्थितो ज्ञानाग्निर्वापते ततः ॥ MBh. 14, 924. Feuer erzeugen durch Reibung: अग्निर्वात्राभिर्मन्थ्यते ÇVETĀÇV. Up. 2, 6. — Vgl. अधिमन्थ्य.

— अत्र rühren, stochern (mit einem spitzen Werkzeuge in einer kranken Stelle) Suçr. 2, 28, 11. — Vgl. अथमन्थ.

— आ in eine heftige Bewegung versetzen: कृदपान्यामन्थ्ये जनस्य गुणव्रतया R. 2, 26, 2. quirlen: आमन्थ्य (आमन्थ्य ed. Bomb.) मतिमन्थ्येन ज्ञानाद्यधिमन्थितम् MBh. 12, 13315.

— उद् 1) aufrütteln, aufschütteln, aufrühren, erregen: उन्मथय म-  
हार्णवम् MBh. 3, 14227. अमरदानवपूयपानामुन्मथ्यताममृतलब्धये (sc. ती-  
रोदधिम्) Būg. P. 2, 7, 13. तद्वात उन्मथयति AV. 20, 132, 4. Pār. GHJ. 1. 9. तमुन्मथ्य मुशर्माय युवतीमिव कामुकः durchschütteln MBh. 4, 1075. अथमायात्तमुन्मथ्य hart mitnehmen, mit Schlägen begegnen 14, 2177. 2479. तां निष्क्रामतीं सुरालयात् । उन्मथ्य सकृत् कृत्स्नः स्वं निनाय रथो-  
त्तमम् ॥ mit Gewalt HARIV. 6022. R. 4, 43, 11. aufschütteln so v. a. auf-  
erregen: अशरीरनिशातशरीरान्मथितप्रमदाशतकोटिभिः Pāṇkāt. 3, 12, 5. शो-  
कांन्मथितचित्तात्मन् MBh. 3, 2340. कृपांन्मथितचित्तात्मन् 4, 739. मदेन्म-  
थितचेतसः Būg. P. 1, 13, 23. मन्थ्येन्मथितेन्द्रिया 3, 14, 29. गिरः श्रुतायाः  
पुष्टिपाया मधुगन्धेन भूरिणा । मन्त्रा चोन्मथितात्मानः संमुह्यतु क्रुद्धिपः ॥  
4, 2, 25. aufreiben, tödten, zu Nichte machen: उन्मथ्य वलं पर्याम् PRAB. 73, 13. सुनाभोन्मथित (= कृत Schol.) Būg. P. 3, 3, 6. मीमांसाकृतमुन्म-  
थय सकृत् कृत्स्नी मुनिं जैमिनिम् Spr. 3233. मेध्याश्चान्यान्वनेचरान् ।  
वाणैरुन्मथ्य MBh. 3, 1961. गुरुप्रक्रुषोन्मथितनितम्बकुञ्ज zu Nichte  
gemacht Būg. P. 5, 20, 19. तत्सङ्गेन्मथितज्ञान 4, 26, 18. स्वं चैवान्मथितं  
यगः R. GORR. 2, 61, 18. विकल्पनिद्रामुन्मथ्य PRAB. 116, 18. ausreißen,  
entwurzeln: आचालयेयुश्चलानुन्मथयेयुर्महान्मान् R. GORR. 1, 20, 14. 5, 3,  
19. तो ऽशेत कृत्स्नेन कृतः परासुर्वतेनेवोन्मथितः कर्णिकारः MBh. 5, 673.  
abschlagen, abreißen: कोपाच्छिरः सर्पविपायिकल्पैः शरोत्तमैरुन्मथि-  
तास्मि 3, 10267. (भस्त्रेन) उन्मथय शिरः कायाद्भुमसेनस्य 7, 7631. abrei-  
ben: कण्डूयमानेन कटं कदाचिद्वन्यद्विपेनोन्मथिता वगस्य RAGH. 2, 37. —  
2) mengen: सफेनपूयहृदिरोन्मथित Suçr. 1, 84, 15. शर्करोन्मथित 294, 21.  
— Vgl. उन्मथन, उन्मथ्य, उन्माथ fg. — caus. in heftige Bewegung ver-  
setzen, erregen: वनकुञ्जरसंघट्टक्रिचन्दनवायुना । अधि (= अधिकं Schol.)  
पुण्यजनस्त्रीणां मुहुर्हन्मथयन्मनः ॥ Būg. P. 4, 6, 30.

— प्रोद् स. प्रोन्माथिन्.

— समुद् 1) niedermachen, niederschliessen, abschliessen: कुञ्जरकेतनम् ।  
नुरप्रेण समुन्मथ्य MBh. 7, 1892. समुन्मथितकेतन 8, 623. — 2) aufrüh-  
ren, erregen: समुन्मथितवेग R. 5, 3, 20.

— उप einrühren, umrühren: वायुरस्मा उपामन्थत् RV. 10, 136, 7.  
TBR. 1, 6, 8, 4. 5. ÇAT. Br. 2, 6, 1, 6. उपमन्थनीभ्याम् KAUC. 27. 28. 43.  
पालाश्या दर्व्या मन्थमुपमथ्य 82. सर्वोपधस्य मन्थं दधिमधुनोरुपमथ्य  
KĀND. Up. 5, 2, 4. — Vgl. उपमन्थनी fg.

— नि niedermachen, tödten: द्विजगणसिद्धगणान्मथ्य संख्ये R. 3, 34, 28.

— निस् 1) durch Reiben herauslocken (das Feuer), aus Etwas Etwas  
ausreiben (mit dopp. acc.) RV. 3, 23, 1. 29, 12. त्वामग्निं पुष्करादध्यर्व्या  
निर्मन्थत 6, 16, 3. क्लृपयर्वा अग्नीं यं निर्मन्थतो अग्निना (गर्मम् 10,  
184, 3. पुवं शक्रा मायाविना समीची निर्मन्थतम् 24, 4. ÇAT. Br. 2, 6, 2, 19.  
12, 4, 3, 3. 3, 1, 3. KĀTJ. Ça. 5, 3, 1. 6, 10, 12. स (अग्निः) एव खलु दारुभ्यो यदा  
निर्मथ्य दीप्यते Spr. 3383. निर्मथिष्यामि पावकम् R. 3, 73, 35. heraus-  
quirlen: पयस्यत्तर्हितं सर्पिर्पद्मनिर्मथ्यते खैः । मुक्तं निर्मथ्यते तद्देहसं-  
कल्पजैः खैः ॥ MBh. 12, 7784. तस्माद्वयं पयोमध्ये घोषधीर्निर्मथामहे ।  
मन्द्रेण विशालेन HARIV. 12169. तानि (दशनामसकृत्त्रिणि) निर्मथ्य मनसा  
दध्ना घृतमिवोद्धृतम् MBh. 13, 1127. herausschütteln, herauszerren: तस्या-  
स्यादमृतं निर्मथ्यात् KĀTJ. 37, 14. प्रातः प्रातः (पेटिकां) समुद्वाय निर्मथि-  
ष्यति तं मुनिम् BHADD. bei SĀJ. zu RV. 5, 78. quirlen: अप्सु निर्मथ्यमा-  
नासु R. GORR. 1, 46, 22. अमृतस्यार्थे निर्मथिष्यामहे जलम् MBh. 1, 1120.  
निर्मथ्यतो देवमहासुरैरधिर्वाणवस्य 6, 3529. 7, 9208. Būg. P. 8, 3, 10. निर्म-  
थयम् 6, 23. 7, 9. 16. PRAB. 79, 7. अस्या नूनं विशालादयाः सदेवात्सुरानु-  
पम् । लोकं निर्मथ्य धात्रेर्द्वयमविकृतं कृतम् MBh. 1, 6547. — 2) weg-  
wischen: वक्त्रेण निर्मथितचूर्णमनःशिलेन MĀKĀ. 11. 17. — 3) zermal-  
men, zerbrechen, zu Nichte machen: तस्य निर्मथितस्त्वसो हेमचित्रं च  
वर्म वै HARIV. 13269. निर्मथ्येशो रथस्य R. 6, 69, 46. 5, 37, 42. अग्निर्मथ्या-  
पकारिणम् RĀGA-TAR. 4, 569. निर्मथिताशेषकपाय Būg. P. 1, 13, 29. —  
4) erschüttern, in heftige Bewegung versetzen, bildlich: चित्तं हि निर्मथ्य  
करोति मां वशे MBh. 4, 380. — 5) hart mitnehmen, mit Schlägen bege-  
gnen: निर्मथ्यमानाः (संमथ्यमानाः ed. Bomb.) क्रुद्धेन भीमसेनेन दत्तिनः ।  
सकृत् प्राद्वन्निष्ठा मृद्वस्तव वाहिनोम् ॥ MBh. 6, 2770. HARIV. 3046.  
निर्मथ्यापकृतां सूरैः mit Gewalt KĀTHĀS. 42, 18. — Vgl. निर्मथ्य fg., नि-  
र्मन्थ्य निर्माथिन्.

— विनिस् herausschütteln Suçr. 2, 221, 12.

— संनिस् dass.: वेदेभ्यो दधिसिन्धुच्यस्तुर्भ्यस्तुर्भ्यः सुमनोहरम् । त-  
ज्ज्ञानमन्थदण्डेन संनिर्मथ्य नवं नवम् ॥ Pāṇkāt. 1. 1, 10.

— प्र 1) quirlen: समुद्ः प्रमथ्यमानो गिरिणोव भूयः RAGH. 13, 14. 3. 59.

— 2) wegzerren, losreißen, abreißen, abschlagen: शयन उपवद्धनुराणं  
प्रमेयुः ÇAT. Br. 11, 3, 1, 2. 3. प्रमथितवर्मभूषणाः MBh. 7, 1449. (तेयाम्)  
प्रमथितात्तमाङ्गानि — शरैः 1, 8238. खड्गेन चाकम् — कायाच्छिरस्तस्य  
बलात्प्रमथ्य 3, 10267. 9, 1560. R. 3, 33, 17. Būg. P. 6, 11, 18. ausreißen:  
चतुः Pāṇkāt. Br. 7, 7, 15. — 3) Jmd (acc.) stark zusetzen, Jmd hart mit-  
nehmen, bezwingen MBh. 1, 194. प्रानयत् 2, 1029. 3, 12110. 16435. मन्थे  
शरैः शरीराणि शत्रूणां प्रमथिष्यति (so die ed. Bomb.) 6, 1999. 7, 247.  
1351. 2694. 4192. 8, 359. 690. 786. HARIV. 11938. 13724. R. GORR. 2,  
106, 29. 3, 32, 25. 5, 33, 46. 40, 13. 6, 72, 40. MĀLAT. 62, 2. Būg. P. 1, 10,